

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	अग्रहायण 27, सोमवार, शके 1945-दिसम्बर 18, 2023 Agrahayana 27, Monday, Saka 1945- December 18, 2023	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, दिसम्बर 08, 2023

संख्या प. 2(38)वन/2023 :- चूंकि इसके साथ संलग्न प्रथम अनुसूची में बतलाई गई वन भूमि अथवा बजड़ भूमि सरकार की संपत्ति है या उसमें सरकार स्वामित्वाधिकार रखती है अथवा सरकार उसकी सम्पूर्ण वन उपज या उसके किसी भाग की हकदार है।

और चूंकि सरकार पूर्वोक्त वन भूमि और बजड़ भूमि को राजस्थान वन अधिनियम 1953 की धारा 29 की उपधारा (1) के अधीन रक्षित वन घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकार और प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार सीमा का अभी तक किसी प्रकार अभिलेखन नहीं किया गया है।

और चूंकि सरकार यह भी सोचती है कि पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बजड़ भूमि में अथवा उन पर सरकार अथवा प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार और सीमा के विषय में जांच करवाना और उनका अभिलेखन कराया जाना आवश्यक है परन्तु इस कार्य में इतना अधिक समय लग जावेगा कि जिस के बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुंचाने की आशंका है।

अतः अब राजस्थान वन अधिनियम 1953 (1953 का अधिनियम संख्या 13) की धारा 29 की उपधारा (3) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार एतद् द्वारा वन बन्दोबस्त अधिकारी/सहायक वन बंदोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वन भूमि अथवा बजड़ भूमि में या उन पर सरकार या प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों की जांच तथा अभिलेखन करने के लिए नियुक्त करती है और ऐसी जांच व अभिलेखन जहां तक व्यवहार्य हो उपर्युक्त अधिनियम की धारा 6, 7, 8, 10, 11, (1), 12, 14, 17, 18 और 19 में प्रावहित विधि के अनुसार ही किया जायेगा।

और उपर्युक्त अधिनियम की धारा 29 की उपधारा (3) के परन्तुक (PROVISO) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार पूर्वोक्त जांच और अभिलेखन होने तक एतद् द्वारा कथित वन भूमि और बजड़भूमि को रक्षित वन (Protected Forest) घोषित करती है परन्तु इससे व्यक्तियों अथवा वर्गों के वर्तमान अधिकारों में कमी नहीं होगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और उसकी धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में सरकार यह भी घोषित करती है कि इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में दिखाये गये कथित रक्षित वन में स्थित वृक्ष इस विज्ञप्ति के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से आरक्षित (Reserved) किये जाते हैं और पूर्वोक्त तारीख से कथित वन में किसी

खदान से पत्थर निकालना या चूना या कोयला जलाना या किसी उपज का संग्रह किया जाना या किसी निर्माण प्रक्रिया या साधन बनाया जाना और कथित वन में किसी भूमि को कृषि के लिए या मकान बनाने के लिए या पशुपालन के लिए अथवा किसी अन्य प्रयोजन के लिए तोड़ा जाना, साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

संलग्न - प्रथम अनुसूची

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

मोनाली सेन,

शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची

संख्या	नाम ब्लाक	नाम तहसील	नाम जिला	सीमा	विवरण/क्षेत्रफल हैक्टेयर	
					खसरा नम्बर	रकबा है. में
1	2	3	4	5	6	
1	पारेवर-I	जैसलमेर	जैसलमेर	ग्राम- पारेवर	3026/2529	7.38 है.
				उत्तर- राज. सरकार खसरा नम्बर 3027/2529 पूर्व - राज.सरकार खसरा नम्बर 2526 दक्षिण- वनभूमि वनखण्ड पारेवर खसरा नम्बर 2514 पश्चिम - वनभूमि वनखण्ड पारेवर खसरा नम्बर 2530		

(श्याम सुन्दर खटीक)

क्षेत्रीय वन अधिकारी

जैसलमेर

(आशुतोष ओझा I.F.S.)

उप वन संरक्षक,

जैसलमेर

वनखण्ड पारेवर-I

द्वितीय अनुसूची (संरक्षित वृक्ष)

प्रस्तावित वनखण्ड में आने वाली वनस्पतियों के वानस्पतिक नामों की सूची

क्र.सं.	नाम प्रजाति (स्थानीय)	नाम प्रजाति (बोटैनिकल)
1	कैर (Ker)	Capparis decidua
2	बेर (Ber)	Ziziphus mauritiana

(श्याम सुन्दर खटीक)

क्षेत्रीय वन अधिकारी

जैसलमेर

(आशुतोष ओझा I.F.S.)

उप वन संरक्षक,

जैसलमेर

**प्रारम्भिक विज्ञप्ति के प्रस्ताव के साथ उप वन संरक्षक द्वारा प्रमाण-पत्र
(जो लागू नहीं होता है उसे काट दे)**

वन खण्ड - पारेवर-I

रेन्ज - जैसलमेर

वन मण्डल - डी.डी.पी., जैसलमेर

1. प्रारूप में दर्शाई गई भूमि का वर्गीकरण बजड़ है जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नंबरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग के नाम दर्ज है तथा मौके पर विभाग का कब्जा है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है।
3. इनमें कोई खनन कार्य नहीं हुए हैं।
4. इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियां कैर एवं बैर हैं।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र वनभूमि एवं कास्तकार की भूमि है तथा चारों ओर की सीमाओं का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वनखण्डों के वांछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न हैं एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं, सीमाओं एवं स्थिति के अनुरूप हैं। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शे में लाल स्याही से इंगित किया गया है।
7. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

(श्याम सुन्दर खटीक)
क्षेत्रीय वन अधिकारी
जैसलमेर

(आशुतोष ओझा I.F.S.)
उप वन संरक्षक,
जैसलमेर

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।